

नीतीश के लिए खुल रहा है एनडीए का 'बंद दरवाजा'!

- हाल के दिनों में सुशासन बाबू के प्रति नरम पड़ गयी है भाजपा
- जी-20 के रात्रिभोज में पीएम मोदी से हुई बातचीत ने दिये संकेत
- अमित शाह ने भी बिहार के सीएम की बजाय लालू को रखा निशाने पर

बिहार की सियासत शेष भारत के लिए हमेशा से एक पहली रही है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां कब कबैन सा सियासी समीकरण आकर ले ले, कोई कहने नहीं सकता। खास कर बीते 20-25 साल में तो बिहार का सियासी मालौल पूरी तरह अनिवार्य रहा है। अब राज्य में सांसदों और महागठबंधन की सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही लिया जाये, तो राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मू की ओर से जी-20 के अवसर दिये गये रात्रि भोज में उनकी प्रधानमंत्री नंदें मोदी से मुलाकात-बातचीत राजनीतिक गलियारे में संयोग नहीं, प्रयोग के तौर पर चर्चा में है। इस पहल को केंद्रीय यह मंत्री अमित शाह के बिहार दोरे में

नीतीश कुमार के प्रति बदल हुए स्वर ने और हवा दे दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और महागठबंधन सरकार में शामिल जदयु के मंत्रियों की ओर से मोदी सरकार के फैसलों का जिस अंदाज में स्वागत किया जा रहा है, वह भी अपने आपमें नयी राजनीतिक संकेत के लिए काफी है। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह की बिहार में दो सभाओं के स्वर भी

लिए भाजपा या एनडीए के दरवाजे हमेशा-हमेशा के लिए बढ़ जाए गये हैं। इस बार अमित शाह ने मंच से यह बात तो नहीं ही कही, सीधे-सीधे नीतीश कुमार को टारेंट भी नहीं किया। कुछ ऐसा ही संकेत भाजपा

के प्रति जदयू की तरफ से भी दिख रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह एंकरों के बिहार के फैसले से खुद को अलग रखा और महागठबंधन सरकार में शामिल जदयु को अपनी अशोक विधायिका ने जिस तरह से महिला आरक्षण विधायिका को लेकर केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा की, वह भी गोरतलब है। इन बायारों और टिप्पणियों से यह संकेत मिल रहा है कि नीतीश कुमार के लिए एनडीए का दरवाजा खुल रहा है। क्या हो सकता है बिहार का सियासी समीकरण और इसका 2024 में क्या होगा असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

बिहार को लेकर एक बार फिर सियासी हालांकार में चर्चा गरम है। चर्चा है कि भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रिश्ते एक बार फिर खारी की राह पर है।

चर्चा है कि भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रिश्ते एक बार फिर खारी की राह पर है।

अपने बिहार दोरे के दौरान अमित शाह के भाषणों में राजद के राष्ट्रीय अव्यक्त लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी पर तल्ली तो दिखा, लेकिन नीतीश के प्रति उनका अंदाज अलहादा था। इसमें छींटाकाशी कम और सलाह अधिक थी। पिछले हार सभा में वह नीतीश कुमार के बारे में कहते थे कि उनके लिए एनडीए के दरवाजे बंद हो चुके हैं।

अपने बिहार दोरे के दौरान अमित शाह के भाषणों में राजद के राष्ट्रीय अव्यक्त लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी पर तल्ली तो दिखा, लेकिन नीतीश कुमार के बारे में कहते थे कि उनके लिए एनडीए के दरवाजे बंद हो चुके हैं।

नीतीश कुमार के प्रति नरम दिखे शाह

नीतीश कुमार के एनडीए छोड़ने के बाद अमित शाह ने इस बार अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कुमार के बारे में एक बार रहा है।

अपने बिहार दोरे पर साएंग नीतीश कु

बनहोरा में करम पर्व सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन आदिवासियों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं : आलमगीर आलम

अपनी सांस्कृतिक पहचान को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा होगा : बंधु तिक्का

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि सरकार जनजातीय समुदाय के हितों के साथ कोई भी समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय और मूलवासियों की अनेक वैरी समस्याएँ हैं, जिसका समाधान बहुत पहले हो जाना चाहिए था, लेकिन अफसोस की बात है कि झारखंड गठन के लगभग 23 साल बाद भी आज संघोंजन का स्थिति नहीं है। करम पर्व की पूर्व संध्या पर बनहोरा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनलगीर आलम बोल रहे थे। उन्होंने कहा



को केंद्र सरकार के असहेयों के कारण राज्य सरकार को अनेक मोर्चे पर चुनौतियों का समाना करना पड़ रहा है, लेकिन हेमंत सरकार न टटोगी, न ही झोकेगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि जमीन एवं प्रकृति के साथ जुड़ी हमारी सम्पत्ति सांस्कृति की झारखंड की 33 वैरी से पहचान है, जो यहां के जनजातीय समुदाय को पूरी तुल्यिता

कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिक्का ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासियों का जुड़ाव अचूक है और वे किसी भी हालत में अपनी जड़ से अलग होनेवाले नहीं हैं। उन्होंने जनजातीय समुदाय और मूलवासियों से भी बदलते समय, आशुषिक तकनीक के बाद भी सार्वजनिक बिटाने और किसी भी हाल में अपनी मिट्टी, पहचान और जड़ से जुड़े रहने का।

इस प्रतिविधि खिलाफ शिल्पी नेहा तिक्का ने कहा कि आदिवासियों का समर्पण न केवल अपने जल, जंगल और जमीन के प्रति है, बल्कि वे अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने समाज आदि से भी उतनी ही गहराई से जुड़े हैं। श्रीमती तिक्का ने कहा कि आदिवासी संस्कृति, परंपरा, पहचान और सम्पादन में बनहोरा के समर्पण का गौरवपूर्वक बनहोरा के अध्यक्ष बंधु तिक्का ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के प्रति कांग्रेस का समर्पण शुरू से ही जगजहार है और आज स्थिति ने वैसे मोड़ लिया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस के दबाव के आगे झुका पड़ा और लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए विधेयक बनहोरा के अध्यक्ष संघर्ष के बारे में बातया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष अजय कच्छप द्वारा दीप जला कर किया गया। 22

करम पूर्व संध्या के अवसर पर 22 पड़हा के खोड़ाओं का महाजुटान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नगदी प्रबंध के चेते कुंवा टोली स्पिटियों के ऐतिहासिक 22 पड़हा शक्ति खूटा पड़ा। जतरा स्थल में करम पूर्व संध्या के कार्यक्रम के अवसर पर आसपास के 22 पड़हा के खोड़ाओं ने भाग लिया। जतरा स्थल में काफी संख्या में आदिवासी भाई बहनों का जुटान हुआ। कार्यक्रम का आयोजन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनलगीर आलम बोल रहे थे। उन्होंने कहा

खोड़ाओं द्वारा जतरा स्थल में अध्यक्ष खूटा का सामूहिक आदिवासी विधायिक विधान से पूजा की गयी। सभी समूहों ने नवृत्य उत्तरवाची के प्रस्तुत किया। आयोजन समिति के तत्वावाची में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष अजय कच्छप द्वारा दीप जला कर किया गया। 22

कार्यक्रम को मुख्य रूप से

चार साल से अधिक समय से लंबित आपराधिक कांडों की होगी समीक्षा

राज्य के सभी एटीएस एसपी, जिले के एसएसपी, एसपी और सभी ईजे के डीआइजी के साथ 22 सितंबर को इडियो कॉन्फ्रैंचिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे।

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। झारखंड में चार साल से अधिक समय से लंबित आपराधिक कांडों की समीक्षा होगी। राज्य के सभी एटीएस एसपी, जिले के एसएसपी, एसपी, जोनल आजी और सभी रेंज के डीआइजी के साथ 22 सितंबर को एडीजी अभियान वीडियो

कॉन्फ्रैंचिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे। इस दौरान अभियान स्वीकृत्यादेश के लंबित कांडों की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की जायेगी। लंबे समय से लंबित केस के निष्पादन के लिए मार्दानशीन और अनुवीक्षण समिति बनायी गयी है। इस समिति के अध्यक्ष एडीजी अभियान संज्ञान अनंत लालठकर, उपाध्यक्ष आजी और सीआईडी असीम विक्रांत उत्तरवाची के बानाया गया है, जबकि सभी रेंज के डीआइजी इसके सदस्य हैं। राज्य का पुलिस विभाग इस काम को पूरा करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इस फिल्म में नागपुरी खोला और संथाली भाषा में कई फिल्में बन चुकी हैं। नागपुरी फिल्म जरता एक प्रेम कथा 8 दिसंबर को सिनेमा घरों में रिलीज़ की जायेगी। इस फिल्म में झांगीवुड गैरी में भूगोल, स्टार, संगीत तथा अन्य कामों के लिए नागपुरी खोला और संथाली भाषा में स्थित सभी गैरी तथा अन्य कामों को बड़े ही अद्भुत भाव से

प्रसारित किया जायेगा।

फिल्म जतरा में दिखेंगे

झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इस फिल्म में नागपुरी खोला और संथाली भाषा में स्थित सभी गैरी तथा अन्य कामों के लिए नागपुरी फिल्म जरता एक प्रेम कथा 8 दिसंबर को सिनेमा घरों में रिलीज़ की जायेगी। इस फिल्म में झांगीवुड गैरी में भूगोल, स्टार, संगीत तथा अन्य कामों के लिए नागपुरी खोला और संथाली भाषा में स्थित सभी गैरी तथा अन्य कामों को बड़े ही अद्भुत भाव से

प्रसारित किया जायेगा।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में अधिकतम अप्राप्यता लालठकर, उपाध्यक्ष आजी और सीआईडी असीम विक्रांत उत्तरवाची के बानाया गया है, जबकि सभी रेंज के डीआइजी इसके सदस्य हैं। राज्य का पुलिस विभाग इस काम को पूरा करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में अधिकतम अप्राप्यता लालठकर, उपाध्यक्ष आजी और सीआईडी असीम विक्रांत उत्तरवाची के बानाया गया है, जबकि सभी रेंज के डीआइजी इसके सदस्य हैं। राज्य का पुलिस विभाग इस काम को पूरा करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में अधिकतम अप्राप्यता लालठकर, उपाध्यक्ष आजी और सीआईडी असीम विक्रांत उत्तरवाची के बानाया गया है, जबकि सभी रेंज के डीआइजी इसके सदस्य हैं। राज्य का पुलिस विभाग इस काम को पूरा करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में अधिकतम अप्राप्यता लालठकर, उपाध्यक्ष आजी और सीआईडी असीम विक्रांत उत्तरवाची के बानाया गया है, जबकि सभी रेंज के डीआइजी इसके सदस्य हैं। राज्य का पुलिस विभाग इस काम को पूरा करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत्र

रांची (आजाद सिपाही)। जतरा फिल्म के निर्देशक रंज मिंज ने बताया कि स्थानीय फिल्मों का निर्माण बढ़ते जा रहा है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में अधिकतम अप्राप्यता लालठकर, उपाध्यक्ष आजी और सीआईडी असीम विक्रांत उत्तरवाची के बानाया गया है, जबकि सभी र

સંપાદકીય

શાબાથ સોમા

જા ની-માની મળણુંચી અભિનેત્રી સોમા લૈશરામ પર જિસ તરહ સે એક સ્થાનીય સિવિલ સોસાયટી આર્મિનાઇઝન કાંગલીઓની કાન્નાવ લુપ (કેકેલા) ને તીન સાલ કા બૈન લગાને કી ઘોષણા કી હૈ, વહ કર્ફ લિલાજ સે તેનુંજનકી હૈ। ઇન્મે દો રાય નહીં કી મળણુંચી પિછળે મહી સે જિસ તરહ કી હિંસા ઔર નફરત કે દૌર સે ગુરા હૈ, વહ બેંદ દુર્ભાખ્યારૂં ઔર તકલીફદાર હૈ। ઇન ઘટનાઓને વહાને કે સમાજ મેં આપણી ધ્યાન ઔર વિચારસ કે જ્યાદાતર પુલ ધ્વસ્ત કર દિયે હૈનું, વહ બાત ભી માની જા સકતી હૈ। લેકિન ઇન્કા કબ્ય તુક હૈ કી ઇન વજાને સે રાજ્ય કે બાહર દેશ કી રાજ્યાની મેં હો રહે એક કાર્યક્રમ મેં શિરકત કર રાજ્ય કી પીડી બચાવની કરને ઔર વહાની શાંતિ લાને કી અપીલ કરને પર કિસી અભિનેત્રી કો બૈન કરને કી ઘોષણા કર દી જાયે। સોમા લૈશરામ કોઈ અનુભાવના નામ મીં નહીં। વાત 150 સે જ્યાદા મળણુંચી ફિલ્મોને મેં કામ કર ચુકી હૈ ઔર કઈ રૂપની દિલ્લી મેં પિછળે દિયો હુએ નાર્થ ઇસ્ટ સ્ક્રોન્ટ્સ ફેસ્ટિવલ મેં મળણુંચી કો નુમાઇદારી કી વ્યવસ્થા સ્થાપિત હો ચુકી હૈ।

સોમા લૈશરામ કોઈ અનુભાવના નામ મીં નહીં। વાત 150 સે જ્યાદા મળણુંચી ફિલ્મોને કાન્નાવ હુંકી હૈ ઔર કઈ રૂપની દિલ્લી મેં પિછળે દિયો હુએ નાર્થ ઇસ્ટ સ્ક્રોન્ટ્સ ફેસ્ટિવલ મેં મળણુંચી કો નુમાઇદારી કી વ્યવસ્થા સ્થાપિત હો આપી હૈ।

મળણુંચી કા કહના હૈ કી ઉસને ફિલ્મ એક્ટર્સ ગિલ્ડ

મળણુંચી ઔર સાર્વજિનિક અપીલોને એવું વિકિનાત અનુરોધ કે જરિએ મી ઉસે ઇસ કાર્યક્રમ મેં શામિલ ન હોને કો કહા થા, લેકિન સવાલ યહ હૈ કી આખિર ઇસ અપીલ યા અનુરોધ કાંગલા વ્યાધાર ક્યા હૈ।

મળણુંચી

કાલાકાર મળણુંચી સે

નામ

चूंग रील्स

लैंड फॉर जॉब्स
मामला: तीन
अफसरों पर भी
चलेगा केस

पटना (आजाद सिपाही) | लैंड फॉर जॉब्स मामले में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर सुनवाई टल गयी है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई के स्पेशल कार्ट में इस मामले की सुनवाई अब शुक्रवार को होगी। इधर सीबीआई ने कोर्ट को बताया था कि योग्य विभाग ने कदम उठाया है। आगंनवाड़ी के बाद, उत्तर रेल अधिकारी मनोदण्ड करूं, नोरोज पांडे और डॉ पीप्पल बकर के खिलाफ केस चलाने की इचाजत गृह मंत्रालय से मिली है। सीबीआई जल्द ही इस दिशा में कदम उठायेगी।

**पाकिस्तान में
जनवरी 2024 के
आखिरी हफ्ते में
होंगे चुनाव**

इस्लामाबाद (आजाद सिपाही) | पाकिस्तान में आम चुनाव तीन महीने टल गये हैं। चुनाव आयोग ने गुरुवार को जारी बताया में तमाम कार्यालयों को खत्म करते हुए इसका एलान किया। वैसे तो यह चुनाव अक्टूबर के आखिर तक हो जाने चाहिए थे, लेकिन चुनाव आयोग ने कहा कि उसे पर्सीमन और जनगणना के नीतियों का इंतजार है और इसकी वज्र से यह चुनाव जनवरी में होगे।

स्कूल और शिक्षा विभाग ने उठाया पदक्षेप पहली कक्षा के बच्चे पढ़ेंगे 'शिक्षा प्रवेश'

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। 'शिक्षा प्रवेश' अब प्राथमिक कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों का मार्गदर्शन करेगी। प्राथमिक शिक्षा को प्रार्थित बाल शिक्षा के साथ एकीकृत किया जायेगा। स्कूल और गण शिक्षा विभाग ने कदम उठाया है। आगंनवाड़ी के बाद, उत्तर रेल अधिकारी मनोदण्ड करूं, नोरोज पांडे और डॉ पीप्पल बकर के खिलाफ केस चलाने की इचाजत गृह मंत्रालय से मिली है। सीबीआई जल्द ही इस दिशा में कदम उठायेगी।

**नतीजतन, बच्चे
अक्सर स्कूल से
अनुपस्थित रहते हैं**

जनकारी के मुताबिक स्कूल और गण शिक्षा विभाग ने बच्चों के डर को दूर करने और बेहतर भवित्व



की सोच के लिए एक अभिनव कदम उठाया है। प्राथमिक स्तर से छात्रों की बुनियादी भाषा और संख्यात्मक कौशल विकसित करने पर जो दिया जायेगा। अब, पहली कक्षा में दाखिला लेने वाले छात्र "शिक्षा प्रवेश" पुस्तक का अध्ययन करेंगे। इस पुस्तक को बैजयंत पंडा को जान से मारने की धमकी

पढ़ने से आपके बच्चे की बुद्धि का विकास होगा और वे उन्हें पढ़ने के प्रति अधिक विश्वासीत करेंगे। 'शिक्षा प्रवेश' एसरींगीआटी के ढांचे में तैयार करने पर जो दिया जायेगा। अब, पहली कक्षा के प्रत्येक छात्र को डॉइंडो के माध्यम से सभी छात्रों और स्कूल अधिकारियों को भेज दी गयी है। दोनों

हैं कि आगंनवाड़ी के बाद प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों के विकास पढ़ाया जायेगा और बच्चों के विकास के लिए शिक्षक किसे अधिक महत्व दें। यह पुस्तक पहली कक्षा के प्रत्येक छात्र को वितरित की जायेगी। इस पुस्तक में यह भी बताया गया

नव दास जेती दशा भुगतान पेंडग



पर जान से मारने की धमकी

मिली है। बैजयंत के कार्यालय ने कहा कि पुलिस में शिकायत दर्ज की गयी है, जबकि दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि अजात भूतिक ने फोन पर धमकी दी कि बैजयंत का भी नब दास जैसा ही अंजाम होगा। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला है कि फोन करने वाला व्यक्ति हिंदी में बात कर रहा था।

इसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बैजयंत के एक सहायक को उक्त कांत प्राप्त हुई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उक्त कांल धमकी थी या शरारत। पिछले 29 जनवरी को एसरींगी गोपाल दास ने राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नव दास को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया।

**दुर्गांत्सव : बाहुबली थीम पर तैयार आठ फीट ऊंची सिंहासन पर विराजेंगी मां
पुनर्जन्म का एहसास दिलायेगा आरआर स्पोर्टिंग क्लब**

सिर्फ पंडाल के निर्माण में खर्च होंगे 42 लाख रुपये



संरक्षक विवक्ती यादव ने कहा

कमेटी के द्वारा शुरू से ही भृत्य आयोजन होता आया है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

प्रतिमा बनाने का कार्य काफी तेजी

की गयी है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु

के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

इस बार फराओंवाले कार्य को देखने हुए कमेटी ने मुख्य गेट का

प्रतिमा पर लगने वाले रंग पर कमेटी का विचार अपनी बाकी है।

इस बार फराओंवाले को लाइट से सजाया जायेगा। कुल छह

साइड गेट बनाये जायेंगे।

रोड किनारे लगेंगे स्टॉल

**मृति को दिया जा
युका है आकार**

बंगल के कलाकारों द्वारा मां की

प्रतिमा बनाने का कार्य काफी तेजी

की गयी है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु

के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

साइड गेट छाया रहेगा

कार्टून कैरेक्टर से

प्रतिमा बनाने का कार्य को देखने हुए कमेटी ने मुख्य गेट का

प्रतिमा पर लगने वाले रंग पर कमेटी का विचार अपनी बाकी है।

इस बार फराओंवाले को लाइट से सजाया जायेगा। कुल छह

साइड गेट बनाये जायेंगे।

रोड किनारे लगेंगे स्टॉल

संरक्षक विवक्ती यादव ने कहा

कमेटी के द्वारा शुरू से ही भृत्य आयोजन होता आया है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु

के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

इस बार फराओंवाले को लाइट से सजाया जायेगा। कुल छह

साइड गेट बनाये जायेंगे।

रोड किनारे लगेंगे स्टॉल

संरक्षक विवक्ती यादव ने कहा

कमेटी के द्वारा शुरू से ही भृत्य आयोजन होता आया है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु

के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

इस बार फराओंवाले को लाइट से सजाया जायेगा। कुल छह

साइड गेट बनाये जायेंगे।

रोड किनारे लगेंगे स्टॉल

संरक्षक विवक्ती यादव ने कहा

कमेटी के द्वारा शुरू से ही भृत्य आयोजन होता आया है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु

के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

इस बार फराओंवाले को लाइट से सजाया जायेगा। कुल छह

साइड गेट बनाये जायेंगे।

रोड किनारे लगेंगे स्टॉल

संरक्षक विवक्ती यादव ने कहा

कमेटी के द्वारा शुरू से ही भृत्य आयोजन होता आया है। इस बार भूत्तों को जीवन के महत्व और मृत्यु के बाद की स्थिति को दिखाना है। इसमें समाज को एक संदेश मिलेगा कि कर्म ही सब कुछ है, ज्योकि मृत्यु

के बाद जीवन चक्र का अंत नहीं बल्कि शुरूआत होती है।

इस बार फराओंवाले को लाइट से सजाय